रचना से संवाद – मेरे उत्तर मेरे तर्क

निम्नलिखित प्रश्नों के सटीक उत्तर चुनिए और यह भी बताइए कि आपको ये उत्तर उपयुक्त क्यों लगते हैं?

1. "हैट टाँगने के लिए कोई भी खूँटी काम दे सकती है... असली वस्तु है हैट, खूँटी नहीं।" निबंध में 'हैट' और 'खूँटी' का उल्लेख किस भाव को सबसे अधिक उजागर करता है?

(क) विषय से अधिक लेखक के भावों की प्रधानता को दर्शाना

(ख) विचार से अधिक तथ्य आधारित सामग्री को प्रमुख बताना

(ग) शैली से अधिक भाषा व्यवस्था की उपयोगिता बताना

(घ) उदाहरण से अधिक सिद्धांत आधारित लेखन का समर्थन करना

उत्तर:

(क) विषय से अधिक लेखक के भावों की प्रधानता को दर्शाना

पाठ में लेखक ने "हैट" और "खूँटी" का उदाहरण देकर एक बहुत महत्वपूर्ण बात समझाई है:

- हैट (टोपी) ⟶ लेखक के भाव, विचार, अनुभूति
- खूँटी (हुक) ⟶ विषय

लेखक कहता है कि जैसे हैट टाँगने के लिए कोई भी खूँटी चल सकती है, वैसे ही अपने मन के भाव व्यक्त करने के लिए कोई भी विषय पर्याप्त है।

मुख्य चीज़ विषय नहीं, बल्कि लेखक के अंदर के भाव हैं।

इससे स्पष्ट होता है कि:

- निबंध में असली महत्त्व लेखक की अनुभूति और भावों का होता है,
- विषय तो केवल एक माध्यम (साधन) है।

2. "उनमें लेखक की सच्ची अनुभूति रहती है... उसका उल्लास रहता है।" मानटेन की पद्धित लेखक के लिए किस निर्णय का आधार बनती है?

(क) शैली और स्पष्ट-सहज भाषा को महत्व न देना

(ख) परंपरागत निबंधकारों को अस्वीकार करना

(ग) अध्ययन के बिना अपने विचार प्रस्तुत कर देना

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

(घ) अनुभव आधारित स्वच्छंद लेखन को अपनाना

उत्तर:

(घ) अनुभव आधारित स्वच्छंद लेखन को अपनाना

पंक्ति — "उनमें लेखक की सच्ची अनुभूति रहती है... उसका उल्लास रहता है।" – स्पष्ट करती है कि मानटेन की पद्धति में:

- लेखक अपने व्यक्तिगत अनुभव, भाव और अनुभूति को महत्व देता है
- लेखन स्वच्छंद होता है, किसी कठोर नियम में बंधा नहीं
- इसमें बनावटीपन नहीं, बल्कि सच्ची अभिव्यक्ति होती है

इसलिए लेखक निर्णय लेता है कि वह भी इसी तरह अनुभव-आधारित और स्वतंत्र शैली में निबंध लिखे।

3. "तरुणों के लिए भविष्य उज्ज्वल... वृद्धों के लिए अतीत सुखद..." यह तुलना किस पर आधारित है?

(क) तर्क और भावना

(ख) ज्ञान और शिक्षा

(ग) परिश्रम और उपलब्धि

(घ) अभिलाषा और अनुभव

उत्तर:

(घ) अभिलाषा और अनुभव

पंक्ति में कहा गया है कि:

- तरुण (युवा) भविष्य को उज्ज्वल देखते हैं → क्योंकि उनके मन में आकांक्षाएँ (अभिलाषाएँ) होती हैं, वे आगे बढ़ने और कुछ नया पाने की इच्छा रखते हैं।
- वृद्ध (बुज़ुर्ग) अतीत को सुखद मानते हैं → क्योंकि उनके पास जीवन का अनुभव होता है और वे अपनी बीती हुई यादों में संतोष पाते हैं।

इसलिए यह तुलना दो बातों पर आधारित है:

- युवाओं की अभिलाषा
- वृद्धों का अनुभव

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

4. निबंध में अमीर खुसरो की कहानी का उल्लेख किस संदर्भ में किया गया है?

(क) कविता लेखन की कला को समझाने के लिए

(ख) एक साथ कई विषयों को संबोधित करने की प्रतिभा दिखाने के लिए

(ग) ढोल के महत्व को दर्शाने के लिए

(घ) सामाजिक सुधार के उदाहरण के रूप में

उत्तर:

(ख) एक साथ कई विषयों को संबोधित करने की प्रतिभा दिखाने के लिए

निबंध में अमीर खुसरो की कहानी इसलिए दी गई है कि:

- उन्होंने एक ही पद्य में खीर, चरखा, कुत्ता और ढोल – चारों विषयों को जोड़ दिया।
- यह उनकी अद्भुत प्रतिभा और चतुराई को दर्शाता है कि वे एक साथ कई मांगों को पूरा कर सकते थे।
- लेखक भी इसी से प्रेरित होकर सोचता है कि वह दोनों निबंध विषयों को एक ही निबंध में शामिल कर दे।

इसलिए यह उदाहरण एक साथ कई विषयों को समेटने की क्षमता दिखाने के लिए दिया गया है।

5. निबंध में समाज-सुधार के संदर्भ में क्या कहा गया है?

(क) सुधारों की आवश्यकता हर युग में बनी रहती है।

(ख) सुधार केवल बड़े विचारकों द्वारा संभव हैं।

(ग) सुधार केवल आधुनिक युग की देन हैं।

(घ) सुधारों का कोई अंत नहीं, लेकिन दोष समाप्त हो जाते हैं।

उत्तर:

(क) सुधारों की आवश्यकता हर युग में बनी रहती है।

निबंध में स्पष्ट कहा गया है कि:

- मानव इतिहास में कोई ऐसा समय नहीं रहा जब सुधारों की आवश्यकता न पड़ी हो।
- हर युग में नए-नए दोष उत्पन्न होते हैं, इसलिए नए सुधार भी होते रहते हैं।
- इस तरह समाज-सुधार एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है।

इसलिए यह निष्कर्ष निकलता है कि हर समय समाज को सुधार की जरूरत रहती है।

मेरी समझ मेरे विचार

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

नीचे दिए गए प्रश्नों पर कक्षा में चर्चा कीजिए और उनके उत्तर लिखिए –

1. निबंध लेखन के विषय में ए.जी. गार्डिनर और लेखक के विचारों में क्या अंतर है?

उत्तर:

(क) ए. जी. गार्डिनर के विचार:

- उनके अनुसार निबंध लिखना एक विशेष मानसिक अवस्था पर निर्भर करता है।
- जब मन में उमंग, स्फूर्ति और आवेग आता है, तो लेखन अपने आप हो जाता है।
- उस समय विषय का अधिक महत्व नहीं होता, कोई भी विषय लेकर भाव व्यक्त किए जा सकते हैं।
- यानी वे स्वतःस्फूर्त लेखन को महत्व देते हैं।

(ख) लेखक के विचार:

- लेखक मानता है कि उसे ऐसी कोई विशेष मानसिक अवस्था अनुभव नहीं होती।
- उसे निबंध लिखने के लिए सोचना, योजना बनाना और मेहनत करना पड़ता है।
- वह विषय, सामग्री और शैली पर ध्यान देता है।
- यानी उसके लिए निबंध लेखन एक परिश्रमपूर्ण और योजनाबद्ध प्रक्रिया है।

मुख्य अंतर

- गार्डिनर: भावों के आवेग से स्वतः लिखना
- लेखक: सोच-समझकर, मेहनत और योजना से लिखना

निष्कर्ष: गार्डिनर भावनात्मक और सहज लेखन को महत्व देते हैं, जबकि लेखक परिश्रम और तैयारी पर आधारित लेखन को आवश्यक मानता है।

2. लेखक के अनुसार वृद्ध और तरुण दोनों ही वर्तमान से असंतुष्ट रहते हैं, पर दोनों की असंतुष्टि के कारण भिन्न हैं। आपके विचार से उनकी असंतुष्टि के क्या-क्या कारण हो सकते हैं?

उत्तर:

लेखक के अनुसार तरुण और वृद्ध दोनों वर्तमान से असंतुष्ट रहते हैं, पर कारण अलग होते हैं। तरुणों की असंतुष्टि उनकी अभिलाषाओं और सपनों से जुड़ी होती है। वे भविष्य में सफलता, परिवर्तन और नए अवसर देखना चाहते हैं, इसलिए वर्तमान उन्हें अधूरा और सीमित लगता है। दूसरी ओर, वृद्धों की असंतुष्टि उनके अनुभव और स्मृतियों से उत्पन्न होती है। वे अपने अतीत को अधिक सुखद और सरल मानते हैं तथा वर्तमान की बदलती परिस्थितियों

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

को स्वीकार करना कठिन पाते हैं। इस प्रकार तरुण भविष्य की आशाओं के कारण और वृद्ध अतीत की यादों के कारण वर्तमान से असंतुष्ट रहते हैं।

3. निमिता और अमिता किन विषयों पर निबंध लिखवाना चाहती हैं? उनके द्वारा सुझाए गए विषयों पर निबंध लिखने में लेखक को क्या-क्या कठिनाइयाँ आईं?

उत्तर:

निमिता चाहती है कि लेखक "दूर के ढोल सुहावने होते हैं" विषय पर निबंध लिखे, जबकि अमिता का आग्रह समाज-सुधार विषय पर निबंध लिखने का है।
इन विषयों पर निबंध लिखने में लेखक को कई कठिनाइयाँ आईं। पहली कठिनाई यह थी कि उसे इन विषयों के लिए पर्याप्त सामग्री और विचार तुरंत उपलब्ध नहीं थे। "दूर के ढोल सुहावने" जैसे विषय पर पाँच पृष्ठ लिखना उसे कठिन लगा और समाज-सुधार जैसा गंभीर व व्यापक विषय भी सीमित समय में लिखना चुनौतीपूर्ण था। दूसरी समस्या यह थी कि निबंध के लिए रूपरेखा बनाना और उपयुक्त शैली चुनना भी उसके लिए आसान नहीं था। इसके अलावा, उसे कम समय में दो निबंध तैयार करने का दबाव भी था। इसलिए उसने अंत में दोनों विषयों को एक ही निबंध में समाहित करने का उपाय अपनाया।

4. निबंधशास्त्र के आचार्यों ने आदर्श निबंध लिखने की कौन-सी युक्तियाँ सुझाई हैं? आप किसी भी विषय पर निबंध लिखने से पहले किस तरह की तैयारी करते हैं?

उत्तर:

(क) निबंधशास्त्र के आचार्यों के अनुसार आदर्श निबंध के लिए कुछ प्रमुख बातें आवश्यक हैं-

- निबंध संक्षिप्त (छोटा) और सारगर्भित होना चाहिए।
- उसमें दो मुख्य अंग होते हैं: सामग्री (विचार) और शैली (प्रस्तुति)।
- लिखने से पहले विषय से संबंधित पर्याप्त सामग्री और विचार एकत्र करने चाहिए।
- निबंध की पहले से रूपरेखा बना लेनी चाहिए।
- भाषा में सरलता, स्पष्टता और प्रवाह होना चाहिए तथा वाक्य छोटे और आपस में जुड़े हों।
- आवश्यकतानुसार अलंकार, मुहावरे और लोकोक्तियों का प्रयोग करना चाहिए।

(ख) मेरी तैयारी (किसी भी विषय पर निबंध लिखने से पहले):
मैं निबंध लिखने से पहले सबसे पहले विषय को ध्यान से समझता हूँ। फिर उससे जुड़े मुख्य बिंदुओं की रूपरेखा बनाता हूँ। उसके बाद अपने ज्ञान, अनुभव और पढ़ी हुई सामग्री के आधार पर विचार एकत्र करता हूँ। मैं यह भी

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

ध्यान रखता हूँ कि निबंध की शुरुआत, मध्य और अंत स्पष्ट हों। लिखते समय सरल और प्रभावशाली भाषा का प्रयोग करता हूँ तथा अंत में पूरे निबंध को पढ़कर आवश्यक सुधार करता हूँ।

5. मानटेन ने "जो कुछ देखा, सुना और अनुभव किया, उसी को अपने निबंधों में लिपिबद्ध कर दिया।" निबंध लेखन के लिए देखने, सुनने और अनुभव करने की क्या उपयोगिता हो सकती है?

उत्तर:

निबंध लेखन में देखने, सुनने और अनुभव करने की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जब लेखक अपने आसपास की चीज़ों को ध्यान से देखता है, लोगों की बातें सुनता है और जीवन की घटनाओं को स्वयं अनुभव करता है, तो उसके पास वास्तविक और सजीव सामग्री एकत्र हो जाती है। इससे निबंध में सच्चाई, स्वाभाविकता और प्रभाव आता है।

अनुभव के आधार पर लिखा गया निबंध अधिक विश्वसनीय और रोचक होता है, क्योंकि उसमें बनावटीपन नहीं होता। देखने और सुनने से लेखक की समझ और दृष्टि का विस्तार होता है, जिससे वह विषय को अलग-अलग पहलुओं से प्रस्तुत कर पाता है।

इस प्रकार, ये तीनों बातें निबंध को जीवंत, प्रभावशाली और पाठक के करीब बना देती हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in